विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

रूपम कुमारी, वर्ग दशम्, विषय- हिंदी

दिनांक -17 सितंबर 2020

NCERT syllabus

|| अध्ययन- सामग्री ||

बच्चों ,लगातार दो कक्षा से हम आपको रस की जानकारी देते आ रहे हैं ।

कल की कक्षा में आपने रस की परिभाषा, रस का स्वरूप और स्थायी भाव को समझा ।

स्थायी भाव - रस को समझने के लिए हमें स्थाई भाव को समझना होगा । स्थाई भाव मनुष्य के हृदय में प्राकृतिक रूप से मौजूद

होते हैं । हालांकि यह हमेशा सुसुप्त अवस्था में होते हैं ।जमीन के समक्ष रस से संबंधित सामग्री प्रस्तुत की जाती है तब यह जागृत हो उठते हैं ।

मनुष्य के हृदय में स्थाई भाव की संख्या 9 है ।

स्थाई भाव और रस सामग्री के सहयोग से ही रस की उत्पत्ति होती है या हम कह सकते कि भाव ही पूरी तरह से परिपक्व होकर रस बन जाता है ।

भाव रस

रति---------- श्रंगार

शोक ------करुण

क्रोध --------- रौद्र

घृणा ---------वीभत्स

वैराग्य --------शांत

उत्साह --------वीर

हंसी ----------हास्य

भय------ भयानक

विस्मय----अद्भुत

कुछ विद्वान भगवत्- भक्ति और वात्सल्य को को भी रस की संख्या में गिनते हैं ।

गृह कार्य_ स्थायी भाव और उससे संबंधित रस को पूरी तरह से याद करें ।